विद्यालङ्कार (बी०ए० संस्कृत ऑनर्स)

संस्कृत विषय के लिये CBCS आधृत विस्तृत पाठ्यक्रम

Generic Elective (GE) Course

द्वितीय सत्र Semester –2

मौलिक-वैकल्पिक-विषय	**भारतीयदर्शन के मूलभूत सिद्धान्त**	**पूर्णाङ्क -100**
Generic Elective (GE)	**Fundamentals of Indian Philosophy**	**सत्रान्त परीक्षा -70**
Paper–HSA– G213		**आन्तरिक परीक्षा-30**
		सकल-अर्जिताधिभार 06

प्रस्तावित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

खण्ड-क (Section-1) भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय

खण्ड-ख (Section-2) भारतीय दर्शन की शाखाएँ

खण्ड-ग (Section -3) भारतीय दर्शन मे समस्याएँ

पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

इस पत्र का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय दर्शन के सामान्य ज्ञान से अवगत कराना है। इसका एक उद्देश्य यह भी है कि विद्यार्थी भारतीय दर्शन के प्रारम्भिक पहलुओं को समझ सकें और संस्कृत में लिखे गए दर्शन सम्बन्धी ग्रन्थों को समझ सकें।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

1. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्र भारतीय दर्शन की विविध विधाओं से परिचित हो जायेंगे।
2. कर्म आदि के सिद्धान्तों का जानकर जीवन में उनका बीजारोपण कर अपने को सफल कर पाने में समर्थ होंगे।

घटकानुरूप विभाजन (Unit-Wise Division)

खण्ड-क (Section -1)

भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय

(दर्शन के मूलसिद्धान्त)

घटक-क (Unit–1) दर्शन: संकल्पना एवं उद्देश्य

घटक-ख (Unit–2) भारतीयदर्शन की शाखाओं का वर्गीकरण, भारतीय दर्शन की प्रमुख विशेषताएँ

खण्ड-ख (Section -2)

भारतीय दर्शन की शाखाएँ

घटक-क (Unit–1) (क) नास्तिक दर्शन : चार्वाकदर्शन – सामान्य परिचय, वेदविरोधी मान्यताएँ, भावातीत सत्ता (परमसत्ता) का खण्डन, आचारनीति (सर्वदर्शन संग्रह के आधार पर)

(ख) जैनदर्शन : सामान्यपरिचय, अनेकान्तवाद, स्यादवाद, सप्तभङ्गीन्याय, त्रिरत्न

(ग) बौद्धदर्शन: सामान्य परिचय, चार आर्य सत्य

घटक (Unit–2) आस्तिक दर्शन **(क)** साङ्ख्यदर्शन : सामान्य परिचय, प्रकृति और पुरुष, गुणत्रय (साङ्ख्यकारिका के आधार पर)

(ख) योगदर्शन : अष्टाङ्ग योग (योगसूत्रके साधनपादके आधार पर)

घटक (Unit–3) न्याय और वैशेषिक : सामान्य परिचय और सप्त पदार्थ (तर्कसंग्रह के आधार पर)

घटक (Unit–4) अद्वैत वेदान्त : सामान्य परिचय, ब्रह्म, माया, जीव, जगत् (वेदान्तसार के आधार पर)

घटक (Unit–5) मीमांसा: स्वतःप्रामाण्यवाद

घटक (Unit–6) भक्तिवेदान्त: सामान्य परिचय, ब्रह्म, ईश्वर और प्रकृति की भक्ति

खण्ड-ग (Section-3)

भारतीयदर्शन की शाखाओं का वर्गीकरण, भारतीय दर्शन की प्रमुख विशेषतायें

घटक-क (Unit–1) (क) ज्ञानमीमांसा : षट् प्रमाण

(ख) तत्त्वमीमांसा: यथार्थवाद, आदर्शवाद, कार्य-कारण सम्बन्ध –सत्कार्यवाद, असत्कार्यवाद, प्रामाण्यवाद, विवर्त्तवाद, स्वभाववाद, चेतना एवं पदार्थ

(ग) आत्ममीमांसा

घटक-ख (Unit–2) आचारनीति (नीतिशास्त्र) : कर्म एवं पुनर्जन्म का सिद्धान्त, मोक्ष

टिप्पणी : खण्ड क एवं ख में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा में करना अनिवार्य होगा।

सन्दर्भ-ग्रन्थ :

1. Bhartiya, Mahesh - Bhāratīya Darśana Kī Pramukha Samasyāeṁ, Ghaziabad, 1999.
2. Chatterjee, S. C. & D. M. Datta - Introduction to Indian Philosophy, Calcutta University, Calcutta, 1968 (Hindi Translation also) .
3. Chatterjee, S. C. – The Nyāya Theory of Knowledge, Calcutta, 1968.
4. Hiriyanna, M. - Outline of Indian Philosophy, London, 1956 (also Hindi Translation) .
5. SHSAtri, Kuppuswami, A Primer of Indian Logic, 1951 (only introduction) .
6. Bhartiya, Mahesh - Causation in Indian Philosophy, Ghaziabad, 1975.
7. O'Flaherty, Wendy Doniger – Karma and Rebirth in Classical Indian Tradition, MLBD, Delhi, 1983.
8. Pandey, Ram Chandra - Panorama of Indian Philosophy (also Hindi version), M.L.B.D., Delhi, 1966.
9. Radhakrishnan, S. - Indian Philosophy, Oxford University Press, Delhi, 1990.
10. Raja, Kuhnan - Some Fundamental Problems in Indian Philosophy, MLBD, Delhi, 1974.
11. Rishi, Uma Shankar (Ed.), Sarva-Darshana_Samgraha, Chowkhamba Vidyabhawan, Varansi, 1984.